अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 26-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 (आगति-गति) किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें–(कितनी व कहां-कहां से) 24

(क) ज्योतिष्क एवं प्रथम देवलोक।

(ख) संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय।

(ग) केवल ज्ञानी में।

(घ) स्त्री वेद।

(ङ) मूल वैक्रिय शरीर।

(च) पांचवी नरक।

(छ) कृष्ण पक्षी में।

(ज) विभंग ज्ञान।

(झ) अवधि दर्शन।

(ञ) तेजस् काय एवं वायु काय।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) जम्बूद्वीप एवं लवण समुद्र में जीव के कितने व कौन-कौन से भेद पाते हैं?

(ख) मतिज्ञान एवं श्रुतज्ञान में आगति व गति।

(ग) साधु और श्रावक की आगति व गति।

(घ) देवकुरु, उत्तरकुरु तथा हैमत और हैरण्यवत् के यौगलिक में आगति-गति।

(ङ) मनुष्य तथा देवता के कितने व कौन-कौन से भेद पाते हैं?

(च) शुक्ल लेश्या वाले शुक्ल लेश्या में जाए तो–आगति-गति।

काय स्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) मति अज्ञानी और श्रुत अज्ञानी की जघन्य, उत्कृष्ट-कायस्थिति व अन्तर लिखें।

(ख) परिहार विशुद्धि चारित्र की जघन्य, उत्कृष्ट-कायस्थिति व अन्तर लिखें।

(ग) संयता संयती की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बताएं कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(घ) सम्यग् दृष्टि की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से घटित होती है?

(ङ) संसारी अभाषक की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए स्पष्ट करें कि जघन्य कायस्थिति कैसे घटित होती है?

(च) मनयोगी और वचनयोगी की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति व अन्तर लिखते हुए बताएं कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है।

(छ) सवेदी की कायस्थिति सादि-सान्त से क्या तात्पर्य है तथा सादि सान्त की कायस्थिति जघन्य अन्तर्मुहूर्त किस अपेक्षा से ली गई है?

(ज) अवधिज्ञानी की जघन्य कायस्थिति एक समय किस अपेक्षा से ली गई है?

(झ) मनुष्यणी की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से घटित होती है?

(ञ) काय अपरीत किसे कहते हैं? काय अपरीत की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी है एवं किस अपेक्षा से ली गई है?

(ट) पुद्गल परावर्तन में कितनी वर्गणाओं का ग्रहण किया जाता है और क्यों? स्पष्ट करें।

(ठ) स्त्रीवेदी की जघन्य कायस्थिति एक समय किस अपेक्षा से ली गई है?

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) कायस्थिति के थोकड़े में अन्तर से क्या तात्पर्य है?

(ख) पंचेन्द्रिय में पर्याप्त की कायस्थिति कितनी हो सकती है?

(ग) साधारण वनस्पतिकाय में अनन्त काल की स्थिति किस अपेक्षा से होती है?

(घ) संख्यात काल से क्या तात्पर्य है?

(ङ) अचरम की कायस्थिति लिखें।

(च) बादर निगोद की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति एवं अन्तर लिखें।

(छ) देवी की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति व अन्तर लिखें।

(ज) पृथ्वी, अप्, वायु, वनस्पति की पर्याप्त की कायस्थिति कितनी है?

(झ) लोभ कषायी की जघन्य, उत्कृष्ट कायस्थिति व अन्तर लिखें।

(ञ) सयोगी अनाहारक की जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(ट) चतुरिन्द्रिय की उत्कृष्ट भव स्थिति कितनी है?

(ठ) पद्मलेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

गीतिका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 16

(क) करण जोग.....सांई रे।

(ख) तीर्थंकर.....जाण।

(ग) छप्पन करोड़.....पाणी रे।

(घ) असंजती श्रावक.....आप ए।

(ङ) इविरत में.....लोक रो ए।

(च) किसा वेद.....भेदै रे।

(छ) नवी दीख्या..... सोय।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक लाईन में लिखें– 4

(क) ज्ञाता सूत्र के अनुसार भगवान ने किसके प्रति शंका रखने वाले को मिथ्यात्वी कहा है?

(ख) मोह कर्म का क्षयोपशम-निष्पन्न भाव किस गुणस्थान तक होता है?

(ग) रावण किसके द्वारा मारा गया?

(घ) सम्यक्त्व पाये बिना जीव नौ ग्रैवेयक देवलोक तक कैसे जा सकता है?

(ङ) दस दान में भगवान की आज्ञा-अनाज्ञा में कितने-कितने दान हैं?

(च) व्रत-अव्रत का पृथक्ककरण किन-किन आगम के आधार पर किया गया है?